

passed and still the first Question is going on. Should we not try to cover more Questions? Our names come in the ballot and still our questions are lost!

श्री लक्ष्मी नारायण नायक : जो डी० डी० टी० पहले छिड़की जाती थी, उस में ज्यादा असर रहता था। क्या मंत्री महोदय इस बात की जांच करवायेंगे कि डी० डी० टी० अब असर क्यों नहीं रखती है ?

श्री राज नारायण : अध्यक्ष महोदय, मेरा नम्र निवेदन है कि इस से पहले दिल्ली के बारे में जो सवाल पूछा गया था, आप ने उस का जवाब पूरा नहीं होने दिया।

MR. SPEAKER: Please answer his question.

श्री राज नारायण : अगर मलेरिया के कीटाणुओं के पैदा होते ही तत्काल उन्हें मार दिया जाये, तब तो वे मर जाते हैं, लेकिन अगर उन्हें बढ़ने दिया जाये, तो उन में बाहरी दवाओं के प्रति रेसिस्टेंस की शक्ति बढ़ती है।

मलेरिया के कीटाणुओं में रेसिस्टेंस की शक्ति बढ़ गई है। यही कारण है कि डी० डी० टी० आदि का उन पर कोई असर नहीं होता है।

आनन्द मागियों द्वारा विदेशों में भारतीयों पर आक्रमण

+

* 62. श्री सुखेन्द्र सिंह :

श्री इब्राहीम सुलेमान सेठ :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशों में स्थित हमारे अनेक दूतावासों को न केवल धमकी भरे पत्र मिल रहे हैं बल्कि विदेशी आनन्दमागियों

द्वारा हमारे दूतावासों के अधिकारियों पर आक्रमण की घटनाएं भी हो रही हैं ;

(ख) यदि हां, तो अब तक ऐसी कितनी घटनाएं हुई हैं; और

(ग) भारत सरकार ने इस मामले में क्या कार्यवाही की है ?

विदेश मंत्री (श्री अटल बिसारी बाजपेयी) :

(क) जी, हां।

(ख) (i) अब तक कुल मिला कर 12 मिशनो में धमकी भरे पत्र प्राप्त हुए हैं;

(ii) आक्रमण की वारदातें हमारे कैन-बरा और लंदन स्थित मिशनो में तथा एअर इंडिया मेलबोर्न में ही हुई है।

(ग) सम्बद्ध मिशनो ने अपनी-अपनी आतिथेय सरकारों के साथ कर्मचारियों और सम्पत्ति के लिए पर्याप्त सुरक्षा का प्रबन्ध उठाया है। विदेश-स्थित सभी भारतीय मिशनो/केन्द्रों/कार्यालयों को यह परामर्श दिया गया है कि वे विभागीय सुरक्षा अनुदेशों का पालन करें तथा स्थानीय विदेश कार्यालय और सुरक्षा अभिकरणों से निकट सम्पर्क रखें। कल कुआला-लम्पुर में एयर इंडिया के कार्यालय में जो घटना हुई है, मैं उस का भी उल्लेख कर देना चाहता हूं। एयर इंडिया का दफ्तर चौदह-मंजिला इमारत में है। वहां शौचालय में एक टाइम बम पाया गया। तत्काल पुलिस को खबर दी गई लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही वह बम फट गया। एअर इंडिया का एक कर्मचारी घायल हुआ है। जिन्होंने बम रखा उनका अभी तक पता नहीं लगाया जा सका है। बम के साथ कोई पत्र नहीं था लेकिन आज सवेरे कुआलालंपुर स्थित भारतीय हाई कमीशन को एक चिट्ठी मिली है जो यूनिवर्सल प्राऊटिस्ट रेवोल्यूशनरी

फडरेशन की ओर से लिखी गई है। उसमें कहा गया है कि अगर सरकार को छोड़ा नहीं जायेगा तो हमारे प्रधान मंत्री, श्री मोरा जी देसाई की जान खतरे में है। लेकिन इस पत्र में एयर इंडिया के दफ्तर में हुए विस्फोट का हवाला नहीं है यद्यपि सम्बन्ध स्पष्ट है।

श्री सुबेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह स्थिति बड़ी चिन्ताजनक है। अभी जैसा माननीय मन्त्री जी ने बताया कि 12 विदेशी मिशनों में घमकी भरे पत्र मिले हैं, दूसरे स्थानों पर भी इस तरह की घटनायें घट रही हैं, मेरा मन्त्री जी से निवेदन यह है कि जब यह स्पष्ट है कि इन सारी घटनाओं के पीछे आनन्दमार्गियों का हाथ है और वे सब हमारे देश के आनन्दमार्गी हैं जो कि सब कुछ कर रहे हैं तो इस तरीके के आतंकवादी संगठन के खिलाफ सरकार कोई निश्चित कार्यवाही करे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, विदेशों में जो घटनायें हो रही हैं जिनके अन्तर्गत हमारे कर्मचारी घायल हुए हैं और हमारे कार्यालयों पर हमले हुए हैं—स्वाभाविक रूप से वह सरकार के लिए और इस सदन के लिए तथा सारे देश के लिए चिन्ता का विषय है। इन घटनाओं को रोकने के लिए हमने अन्तर्राष्ट्रीय पुलिस संगठन से भी सम्पर्क स्थापित किया है। गृह मंत्रालय के अन्तर्गत एक विशेष सेल कायम किया गया है जो सारे मामले पर कठोर नजर रख रहा है और सुरक्षा की कार्यवाहियां कर रहा है। विदेशों में होने वाली इन घटनाओं के प्रकाश में भारत में क्या किया जाए, यह प्रश्न विचाराधीन है।

श्री सुबेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और निवेदन करना चाहता

हूँ कि हमारे जो अधिकारी है दूतावासों के वे बड़े आतंकित है, भयग्रस्त है इसलिए अकेले वहां की सरकार को कह देने मात्र से क्या उनकी सुरक्षा हो जायेगी? इस संबंध में निश्चित कार्यवाही होनी चाहिए। जिससे उनके अन्दर जो आतंक और भय व्याप्त है वह दूर हो सके। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ क्या इस संबंध में कोई कार्यवाही हुई है?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, यह कहना ठीक नहीं होगा कि विदेशी मिशनों में स्थित भारतीय कर्मचारियों में बड़ा आतंक है। सच्चाई तो यह है कि उनका मनोबल बड़ा ऊंचा है और बड़ी हिम्मत के साथ वे अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। हमने उनकी सुरक्षा के प्रबन्ध किए हैं लेकिन एक बात हमें स्मरण रखनी चाहिए कि यह दूतावास जिन देशों में है उन देशों की सरकारों का प्राथमिक कर्तव्य है कि हमारे दूतावास में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा का प्रबन्ध करें। अपनी ओर से जो इन्तजाम सम्भव है वह हम कर रहे हैं। हमने उसको और भी कड़ा बनाने का फैसला किया है।

SHRI EBRAHIM SULAIMAN SAIT: May I know from the Hon. Minister whether, in view of the fact that there is threat of attack on about 12 foreign Missions abroad, any arrest has been made so far in this connection? The Minister has just now said that they have been taking precautionary measures and are in contact with foreign countries. I would like to know the reaction of the foreign countries. How far are the cooperative in trying to find out the culprits and in trying to see that such things are put an end to?

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: We are getting full cooperation from

the foreign Governments concerned. In one case, which was a case of serious nature, Col. Ekbal Singh was stabbed in the chest while he was asleep in his house and then attempts were made to kidnap him. The culprit has been arrested. He is a 26 years old Australian and he has confessed to the crime, giving the non-release of Shri P. R. Sarkar as the motive.

श्री बंजभूषण तिवारी : क्या माननीय मंत्री जी यह बताएंगे कि विदेशों में जो इस प्रकार की घटनाएँ हो रही हैं उन को करने वाले क्या भारत के लोग हैं या विदेशों के विदेशी लोग हैं और क्या यह किसी बड़े अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का परिणाम है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय इन सब घटनाओं से विदेशी सम्बद्ध हैं पर इन विदेशियों के पीछे कौन भारतीय हैं इस की हम जांच-पड़ताल कर रहे हैं ।

श्री सोमजी भाई डामोर : अध्यक्ष महोदय हमारे मंत्री जी जब से विदेश मंत्री बने हैं, वे ज्यादातर विदेशों में रहते हैं । तो मैं जानना चाहता हूँ कि उन को भी क्या खून की घमकी मिली है ?

प्रो० पी० जी० मावतंकर : क्या यह कोई प्रश्न है ? इन्होंने यह क्या पूछा है ?

MR. SPEAKER: This is not a relevant question.

श्री यादबेन्द्र दत्त : क्या विदेश मंत्री जी को इस बात की जानकारी हो गई है कि आनन्द मार्ग की जो संस्था है और जिसके अन्तर्गत यह प्राइविस्ट ब्लाक टेररिज्म कर रहा है, इसका

स्पष्ट सम्बन्ध इन्टरनेशनल टेरोरिस्ट्स से हो गया है और उसको वे लोग फाइनेन्स कर रहे हैं जिन का आइडिया फिलोपोन्स से ले कर दूसरे मारे देशों में टेररिज्म फैलाने का है ? यदि सरकार को यह जानकारी हो गई है, तो इस पर भारत सरकार क्या विचार कर रही है और इसके बारे में क्या कदम उठाने जा रही है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अभी सरकार के लिए यह कितना सम्भव नहीं है कि ये हमले प्राइविस्ट ब्लाक के अतिरिक्त किनी अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा प्रेरित है । तथ्यों का पता लगाने के लिए हम जांच पड़ताल कर रहे हैं और जैसे ही हमें जानकारी मिलेगी हम बताएंगे ।

SHRI EDURADO FALEIRO: All these threats are to the effect that unless Shri P. R. Sarkar is released unconditionally, they will put these threats in execution. All of us know and the country knows that these are from the Proutist organization, which is the inner core of the Anand Marg and who does this job. In the past, big eminent people including the Chief Justice of India, the Home Minister and the head of the Customs have been connected with Anand Marg. Why is this Government not banning Anand Marg and this Proutist Organization which is committed to violence? Is it because of some pressure which is being brought by the high-ups in the Government who are members of this organization?

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Government is not under any pressure from any quarter. The hon. Member has made a suggestion for action which will be considered.

श्री नाथू सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूँ कि इतने

धमकी भरे पत्र जिन संगठनों से मिले हैं, क्या उन संगठनों से बातचीत करने की कोशिश सरकार ने की है ? यदि बातचीत की है तो क्या बातचीत की है मैं यह भी जानना चाहूंगा कि ये जो धमकी भरे पत्र मिले हैं ये क्या उन्हीं संगठनों ने दिए हैं या उन का नाम ले कर किसी दूसरे संगठन या व्यक्ति ने लिखे हैं ? इन बातों की जांच पड़ताल क्या सरकार ने की है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अनेक धमकी भरे पत्र जा मिले हैं, उन में भेजने वाले का नाम नहीं है, पता नहीं है। फिर उन से कैसे बात की जा सकती है और कहाँ बातचीत की जा सकती है, यह पता लगाना हमारे लिए मुश्किल है, लेकिन विदेशों में जो आनन्द मार्गी हमारे दूतावासों के सामने प्रदर्शन करने के लिए आते हैं, उन्हें हम समझने का प्रयत्न करते हैं कि श्री सरकार का मामला अदालत में पड़ा हुआ है और इसलिए भारत सरकार उसमें दखल नहीं दे सकती। हम उन से यह भी कहते हैं कि भारत सरकार इस तरह की धमकियों या हिंसात्मक कार्यवाहियों के सामने झुकेंगी नहीं।

DR. V. A. SEYID MUHAMMAD: From the reports so far available, it appears that these incidents are happening exclusively and solely in the Commonwealth countries. Is it a mere accident or coincidence or is there any deeper reason for that? When I said solely and exclusively, there may be one or two exceptions, but, by and large, the vast majority of these incidents are happening in the Commonwealth countries. Is it a mere accident or coincidence or is there any deeper meaning in it and if so, will the hon. Minister make a thorough inquiry into it?

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: I promise to make a thorough inquiry

into the matter suggested by the hon. Member.

SHRI RAM JETHAMALANI: Can I ask the hon. Minister whether he will be prepared to give an assurance to the House that he will not follow in the footsteps of Mrs. Gandhi and ban any organization until he gets..

Interruptions.

Try to learn the rule of law. It is never too late to learn. Try to understand what democracy and rule of law are (*Interruptions*). I have now completed my question.

Will the hon. Minister be prepared to assure this House....

MR. SPEAKER: Mr. Ravi, please keep quiet. Otherwise they will also shout.

SHRI VAYALAR RAVI: What is he talking? Our people are dying abroad..... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: In this House everybody has a right to express his opinion and nobody can object to that. you cannot expect him to speak to your liking.

SHRI RAM JETHAMALANI: I want an assurance if he is prepared to extend it, that he will not ban any organization whether it be Ananda Marg or any other organization and no decision will be taken against any organization whether it be Ananda Marg or any other organization unless there is clear evidence of their involvement in criminal activities.

श्री उषसेन : ये शोर मचा रहे हैं, इसको तो आप रोकिये ।

SHRI RAM JETHAMALANI: They are not prepared to learn democracy even now.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Normally, the government is averse to

ban any organization because government believe that organizations should be fought politically and with the support of the people.

So far as the question of Ananda Marg is concerned, the question should be directed to my colleague, the Home Minister. As for Foreign Minister, I am not in a position to reply to that question.

MR. SPEAKER: Next question, Shri Bhagat Ram. He is absent.

SHRI SAMAR GUHA: rose

MR. SPEAKER: No, please. I have gone to the next question.

SHRI SAMAR GUHA: This is not really fair.

बिहार में डाकघरों का दर्जा बढ़ाया जाना

* 64. श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ऐसे डाकघरों का दर्जा बढ़ाकर सब-पोस्ट आफिस कर देने की योजना सरकार के विचाराधीन है जो वर्षों से नियमानुसार कार्य कर रहे हैं ; और

(ख) यदि हां, तो क्या बिहार के सहरसा जिले में गांव चौसा, पुरैनी और ग्वालपुर के डाकघर का दर्जा बढ़ाकर सब-पोस्ट आफिस बना दिया जाएगा और उनमें तार और टेलीफोन की सुविधा प्रदान की जाएगी ?

संचार मंत्री (श्री राजलाल वर्मा) :

(क) शाखा डाकघरों का दर्जा बढ़ा कर उन्हें विभागीय मानदंडों और निधियों के निर्धारण के अनुसार उप-

डाकघर बनाया जाता है। वर्ष 1977-78 के दौरान देश भर में 200 शाखा डाकघरों का दर्जा बढ़ा कर उन्हें उप-डाकघर बनाने की योजना है।

(ख) चौसा का डाकघर पहले से ही एक उप-डाकघर है और वहां तार सुविधा उपलब्ध है। उस डाकघर में टेलीफोन की सुविधा देने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया है। सहरसा जिले के चौसा उप-डाकघर के साथ पुरैनी शाखा डाकघर का लेखा-संबंध है। पुरैनी डाकघर का दर्जा बढ़ाने के मामले की जांच की जाएगी। पुरैनी में तार सेवा पहले से ही उपलब्ध है और वहां टेलीफोन सुविधा देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है।

ग्वालपुर शाखा डाकघर का दर्जा बढ़ाने के प्रस्ताव की भी पहले जांच कराई गई थी किन्तु उसका आंशिक सिद्ध नहीं हुआ था। इस मामले की फिर से जांच कराई जाएगी। ग्वालपुर में तार और टेलीफोन की सुविधाएं देने के प्रस्ताव की भी जांच की जा रही है।

श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : इन्होंने अभी बताया है कि लगभग दो सौ डाकघरों में टेलीफोन और तार की सुविधा प्रदान की जाएगी और उनको सब पोस्ट आफिसिस में कवर्ट करने की योजना है। सुदूर देहातों में इ को खोलने या कनवर्ट करने के बारे में क्या कुछ जन संख्या निर्धारित की है और कहा है कि इतनी जनसंख्या के ऊपर जहां पोस्ट आफिस पहले से ही कार्यरत है उनको सब-पोस्ट आफिसिस में कनवर्ट कर दिया जाएगा या वहां फोन और तार की सुविधा दे दी जाएगी।